Total No. of Printed Pages—8

HS/XII/A. Sc. Com/H/18

2018

HINDI

(Modern Indian Language)

Full Marks : 100

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

General Instructions :

(i) Write all the answers in the Answer Script.

(ii) Attempt Part—A (Objective Questions) serially.

(iii) Attempt all parts of a question together at one place.

(PART : A—OBJECTIVE)

(*Marks* : 50)

1. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर जो कथन सत्य है, उसके सामने 'सही' और जो गलत है, उसके सामने 'गलत' लिखिए : 1×10=10

(क) पैसे की उस 'पर्चेज़िंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है।

(ख) फणीश्वरनाथ रेणु का बहुचर्चित आँचलिक उपन्यास 'मैला आँचल' सन् 1964 में प्रकाशित हुआ था।

(ग) चार्ली की अधिकांश फिल्में भाषा का इस्तेमाल नहीं करती हैं।

(घ) 'मधुशाला' सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना है।

(ङ) 'बात सीधी थी पर' कविता में कथ्य और माध्यम के द्वंद्व उकेरते हुए भाषा की सहजता की बात की गई है।

(च) उषा सूर्यास्त के ठीक पहले के पल-पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द-चित्र है।

(छ) 'रामचरितमानस' हिन्दी का अद्वितीय महाकाव्य है।

(ज) किसान मज़दूर की आकांक्षाएँ बादल को नव-निर्माण के राग के रूप में पुकार रही हैं।

(झ) विस्थापित होकर आई सिख बीबी आज भी ढाका को ही अपना वतन मानती हैं।

(ञ) डॉ० भीमराव अंबेडकर ने जीवन भर दलितों की मुक्ति एवं सामाजिक समता के लिए कोई संघर्ष नहीं किया।

2. कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 1×5=5

(क) जादू टूटता है इस _____ का अब सूर्योदय हो रहा है। (उषा/निशा)

(ख) 'बादलराग' कविता _____ में छह खंडों में प्रकाशित है।
(गीतिका/अनामिका)

(ग) शून्य होने का अधिकार बस _____ का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है।
(आत्मा/परमात्मा)

(घ) मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि _____ हैरान रह जाता है। (क़ानून/अफ़सर)

(ङ) _____ होते ही जब लोग अपनी-अपनी झोंपड़ियों में घुस जाते तो चूँ भी नहीं करते। (सूर्योदय/सूर्यास्त)

3. प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×5=5

(क) ''अट्टालिका नहीं है रे आतंक-भवन''—किस कवि की उक्ति है?

(i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ii) तुलसीदास

(iii) हरिवंश राय बच्चन

(iv) कुँवर नारायण

(ख) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' नामक प्रसंग 'रामचरितमानस' के किस कांड से अवतरित है?

(i) बालकांड

(ii) लंकाकांड

(iii) सुंदरकांड

(iv) उत्तरकांड

(ग) ''मैं पढ़-लिखकर वकील बनूँगा, अछूतों के लिए नया कानून बनाऊँगा और छुआछूत को खत्म करूँगा।'' यह कथन किसका है?

(i) ज्योतिबा फुले

(ii) महात्मा गाँधी

(iii) डॉ० भीमराव अंबेडकर

(iv) पंडित जवाहरलाल नेहरू

(घ) ''क्या सब कानून हुकूमत के ही होते हैं, कुछ मुहब्बत, मुरौवत, आदमियत, इंसानियत के नहीं होते?'' उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ की है?

(i) बाज़ार दर्शन

(ii) भक्तिन

(iii) पहलवान की ढोलक

(iv) नमक

(ङ) राज-दरबार का दर्शनीय 'जीव' किसे कहा गया है?

(i) राजा साहब को

(ii) लुट्टन को

(iii) मैनेजर साहब को

(iv) लुट्टन के पुत्रों को

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *100* शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) विज्ञापनों का जीवन पर प्रभाव

(ख) एक अविस्मरणीय यात्रा

(ग) शिलांग में स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

(घ) बाढ़ : समस्या और समाधान

(ङ) भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

5. हिंसा प्रधान फिल्मों को देखकर बच्चों पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का वर्णन करते हुए दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 10

अथवा

अपने जीवन-लक्ष्य के बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में (क) **अथवा** (ख) का उत्तर दीजिए :

(क) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10

मानव-जीवन में कितनी संभावनाएँ छिपी हैं, इसकी कोई सीमा नहीं है। पशु से लेकर देवत्व तक की सारी सीढ़ियाँ मानवीय चोले में से होकर गुजरती हैं। शर्त एक ही है—उसके लिए चुनौती चाहिए। बिना चुनौती के वे सारी संभावनाएँ सोई रहती हैं। संसार में जितने भी पैगंबर या अवतार हुए हैं, वे सब अपने-अपने समय की चुनौतियों के उत्तर हैं। हरेक युग की अपनी

चुनौतियाँ होती हैं, जन सामान्य उन चुनौतियों को न तो पहचान पाता है, न उनका सामना करने की सामर्थ्य जुटा पाता है। पर जो तेजस्वी पुरुष उन चुनौतियों को पहचानकर उनका उत्तर देने के लिए मैदान में कूद पड़ता है लोग उसे 'महापुरुष' कहकर स्वयं उसका अनुगमन करने को तैयार हो जाते हैं। संसार में ज्ञान-विज्ञान की जितनी भी उन्नति हुई है, उन सबके मूल में भी वही चुनौतियों वाली बात है। मनुष्य के मन में कुछ प्रश्न पैदा होते हैं, उन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए वह अपनी बुद्धि का प्रयोग करता है। फिर कुछ नए प्रश्न पैदा होते हैं, वह फिर उनका उत्तर देने का प्रयत्न करता है—और यों ज्ञान-विज्ञान की दृष्टि से मानव-कोश में वृद्धि होती चली जाती है।

(i) मानव-जीवन में चुनौतियों का क्या महत्त्व है?

(ii) सामान्य पुरुष तेजस्वी क्यों नहीं बन पाता?

(iii) ज्ञान-विज्ञान में उन्नति किस प्रकार होती है?

(iv) 'मानवीय चोले' से क्या अभिप्राय है?

(v) प्रस्तुत गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

अथवा

(ख) *(i)* निम्नलिखित शब्दों की सन्धि कीजिए (कोई **चार**) : 1×4=4

(अ) महा + उत्सव

(आ) सदा + एव

(इ) उत् + लास

(ई) अहम् + कार

(उ) ने + अन

(ऊ) महा + ऋषि

(ii) निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह कीजिए (कोई **तीन**) : 1×3=3

(अ) हस्तलिखित

(आ) महाराजा

(इ) चतुर्भुज

(ई) देश-विदेश

(उ) यथासमय

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में सरल, मिश्रित और संयुक्त वाक्य पहचानिए (कोई **तीन**) : 1×3=3

(अ) ताजमहल बहुत सुंदर स्मारक है।

(आ) जब मैं पहुँचा तो रमेश सो रहा था।

(इ) ईमानदारी बड़ी दुर्लभ वस्तु है।

(ई) यह घड़ी मेरे छोटे भाई की है इसलिए मैं इसे किसी को नहीं दे सकता।

(उ) वह लड़की जो इधर आ रही है, उसे वहीं रोको।

(PART : B—DESCRIPTIVE)

(*Marks* : 50)

7. निम्नलिखित अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(क) मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ!

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर जबरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!

(ख) एक ज़मीन थी, एक ज़बान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबोलहजा, और अंदाज़ थे, गालियाँ भी एक ही-सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज़ रहे थे। बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं।

अथवा

हिन्दू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन के अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **दो-तीन** वाक्यों में दीजिए : 2×5=10

(क) भोर के नभ को राख से लीपा हुआ चौका क्यों कहा गया है?

(ख) जब सफिया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी तो कस्टम ऑफिसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप क्यों खड़े थे?

(ग) लेखक ने पैसे को पावर क्यों कहा है?

(घ) पेट की आग व्यक्ति को कौन-कौन से कठिन और बुरे काम करने को विवश कर देती है?

(ङ) ''अस्थिर सुख पर दुःख की छाया'' पंक्ति में दुःख की छाया किसे कहा गया है और क्यों?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए (कोई **दो**) : 5×2=10

(क) कहानी के किस-किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए?

(ख) लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों? गाँधी और नेहरू ने भी उनका सान्निध्य क्यों चाहा?

(ग) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है?

(घ) ''जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं''—कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5×4=20

(क) क्या सिंधु घाटी सभ्यता को जलसंस्कृति कह सकते हैं? कारण सहित उत्तर दीजिए।

(ख) ''सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी'' —'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ग) अज्ञातवास में रहते हुए भी ऐन फिल्मों के प्रति अपनी रुचि एवं जानकारी कैसे बनाए रखती है?

(घ) ऐन ने अपनी डायरी 'किट्टी' को संबोधित चिट्ठी की शक्ल में लिखने की जरूरत क्यों महसूस की होगी?

(ङ) ऐन अपनी सहायता करने वाले लोगों के बारे में क्या विचार व्यक्त करती है?

★★★